मैक इन इण्डिया

प्रीति D/o श्री रोहताश कुमार

निवास स्थान महम, जिला रोहतक

एम.ए. राजनीति विज्ञानं

C.B.L.University Bhiwani

शोध लेख सारः–

भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए व विदेशी निवेशको को भारत में व्यवसाय हेतू पैसा लगाने का अवसर प्रदान करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक अभियान शुरू किया हैं जिसका नाम हैं। **मैक इन इण्डिया** यह भारत सरकार द्वारा देशी और विदेशी कंपनियो द्वारा भारत में ही वस्तुओ के निर्माण पर बल देने के लिए बनाया गया हैं। इस अभियान की शुरूआत 25 सितंबर 2014 में की गई । विज्ञान भवन नई दिल्ली माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसकी शुरूआत की गई। इस अभियान के द्वारा कई देश जो भारत में निवेश करने के इच्छुक हैं उन्हें लाभ प्राप्त होगा । इससे हमारे देश में बेरोजगारी कम होगी रोजगार को बढावा मिलेगा।

शब्द कुंजीः– बेरोजगारी, सरकार, विदेशी निवेश

भूमिकाः– मैक इन इण्डिया यह भारत सरकार द्वारा शुरू की गई बहुराष्ट्रय तथा राष्ट्रीय कंपनियो के भारत में अपने उत्पादो का निर्माण तथा भारत में निर्मित वस्तुओं को प्रोत्साहित करेन की योजना हैं। इसका उददेश्य अर्थव्यवस्था के 25 क्षेत्रों में रोजगार सृजन और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना हैं। **मैक इन इण्डिया** योजना से उत्पादो की उच्च गुणवत्ता तथा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना हैं। इससे भारत के आर्थिक विकास को बढावा मिलेगा। निर्यात तथा विनिर्माण में वृद्धि से भारत की आर्थिक ओर GDP को बढावा मिलेगा। भारत सरकार की नई नीति के अनुसार दिए गए क्षेत्रों में 100 FDI की अनुमति हैं। केवल अंतरिक्ष (74%), रक्षा (49%) और समाचार मीडिया (26%) के लिए छोड़कर बचे हुए क्षेत्र में 100% FDI में मंजूरी हैं। भारत **में मानव संसाधनो की कमी नही हैं। मैक इन इण्डिया** के द्वारा ओटोमोबाईल , सूचना, तकनीकी, दवाईया रसायन प्रयटन स्वास्थय, बंदरगाह आदि क्षेत्रों को रखा गया हैं। इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए wwwmakeinindia.com.web भी तैयार की गई हैं। जिसके तहत आप 72 घंटे में विशेषज्ञो के द्वारा अपनी समस्याओ का समाधान कर सकते हैं।

शोध प्रविधिः— इस शोध पत्र के लिए शोध सामग्री द्वितीयक स्त्रोतो से ग्रहण की गई हैं। इसमें ऐतिहासिक विश्लेषण व वर्णनात्मक दृष्टिकोण को स्थान दिया गया हैं।

पृष्ठभूमिः— भारत के मान्यवर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में 25 सितंबर 2014 को शुरू की भारत में बनाओ 29 दिसंबर 2014 एक कार्यशाला औघोगिक नीति समर्थन विभाग उनके मंत्रीमंडल के मंत्रियों और राज्यो के मुख्य सचिवों के साथ ही विभिन्न उघोग के नेताओं ने भाग लिया। यह अभियान wiedent कैनेडी द्वारा डिजाइन किया गया था। यह देशी और विदेशी कम्पनियों को भारत में ही उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित करता हैं। इसका लोगो (प्रतीक) एक गतिमान शेर हैं। जिसके पास बहुत सारे मशीनी पहिए हैं। इन पहरओ के सहारे चलता यह शेर दृढता और बुद्धिमता को प्रदर्शित करता हैं। व्यापार के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी महचान बनाने का यह सर्वोतम अभियान हैं। यह उन निवेशको के लिए सुनहरा मौका हैं। जो भारत में निवेश करना चाहते हैं। इससे भारत में कई वस्तुओ का उत्पादन निश्चित हो सकेगा। इससे भारतीय लोगो देश के बाहर व्यापार के लिए पलायन करने की नही सोचोगे। उनको रोजगार उपलब्ध होगा। बेरोजगारी कम होगी।

भारत में उत्पादन :— वैश्विक कंपनिया भारत में उत्पादन केंद्र स्थापित करने से रोजगार सृजन, भारत में ही सामानो का उत्पादन से सामानो के दोमो में कमी, विदेशी मुद्रा में वृद्धि आदि। इसमें कुछ चुनौतियां भी हैं जैसे कठोर श्रमिक शक्ति की कमी, वाणिज्यिक अदालतो की कमी आदि। यह एक आम गलतफहमी हैं कि हमें **मैक इन इण्डिया** के साथ चीन की तरह ही सफलता मिलेगी लेकिन यह मूलरूप से दोषपूर्ण हैं। **मैक इन चाईना** उत्पादन सभी चीनी कारखानो द्वारा बनाए जाते हैं जो विदेशी उत्पाद कंपनियो के लिए अनुबंध निर्माण करते हैं। इसका मतलब हैं कि चीनी कंपनिया इस प्रक्रिया में पैसा लगाती हैं। फाक्सकॉन हर आईफोन और सैमसंग फोन पर मुनाफा कमाता हैं। क्योकि यह एक चीनी कंपनी हैं।

हालांकि भारत में कंपनिया भारतीय कंपनियां नही होगी। वे अमेरिकी, यूरोपीय या यहां तक कि चीनी कंपनियो का समूह जो कारखानों की स्थापना करते हैं वे सभी होंगे। भारत के पास अपने स्वयं के उघोग बनाने के पैसे नही होंगे। सरकार इनको चलाने के लिए सब्सिडी देगी। आप उसकी भरपाई करने के लिए और अधिक कर का भुगतान करते हैं और भी घटिया सड़के हैं क्योकि उनकी सभी भी कोई धनराशि नही दी गई हैं। ये कारखाने भारतीय नही हैं। वे भारत के लिए प्रत्यक्ष राजस्व उत्पन्न नही करेगें। एक राष्ट्र के रूप में हमारे पास आज भी पहचान का संकट हैं। भारत में 1BM के आधे से अधिक कर्मचारी हैं। लेकिन फिर भी 1BM हमेशा एक अमेरिकी कंपनी रही हैं।

मैड इन इण्डिया & मैक इन इण्डिया – **मैक इन इण्डिया** से अभिप्राय बाहर की चीजो को अपने यहा लाकर बनाना और उनका भारत में विनिर्माण उघोग स्थापित करने के लिए विदेशी निवेशको के लिए एक खुला आहान हैं। विदेशी वैश्विक निगमों में भारत का वर्चस्व होगा और वे सभी लाभ उठाऐंगे।

मैड इन इण्डिया किसी भी उत्पाद पर लागू होता हैं जो पूरी तरह से भारत में निर्मित हो । यह घरेलू या विदेशी आधारित निगमो के उत्पादो पर लागू होता हैं जब तक कि उत्पाद भारत में पूर्ण रूप से बनाया न गया हों।

योजनाः– भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए शीर्ष गंतव्य के रूप में 2015 में उभरने के लिए विश्व स्तर पर कार्यक्रम की दीक्षा के बाद, संयुक्त राज्य अमरिका में श्रेष्ठ चीन पीपुल्स गण्राज्य के रूप में अच्छी तरह आशा व्यक्त की। 2015 में भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रूप में रू 4.06 लाख करोड़ प्राप्त हुए, जो चीन से भी ज्यादा था।

दिसंबर 2015 में भारत को जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अंवे की यात्रा के बाद यह घोषणा की गई कि जापान को एक अमेरिकी जापान भारत मेकअप में भारत –विशेष वित सुविधा कहा जाता हैं भारत से संबधित परियोजनाओ में मेक के लिए $12 अरब कोष की स्थापना की जाएगी।

एक रक्षा सौदा दिसंबर 2015 में रूस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा जो कामोव के ए–226 बहु–भूमिका हेलीकाम्टर भारत में बनाया जा रहा हैं।

मैक इन इण्डिया के तहत मैन्युफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को निर्मित करना हैं।

लाभः– 1. **मैक इन इण्डिया** का मुख्य उददेश्य भारत के नागरिको को नौकरी की अवसर उपलब्ध कराना हैं इस अभियान के लिए सरकार ने प्राथमिकता वाले 25 क्षेत्र चिन्हित किए हैं। इन क्षेत्रों में विदेशी निवेश और संभावना सबसे अधिक हैं। भारत सरकार द्वारा भी निवेश को बढाया जाएगा इसमें निवेश, यानी दूरसंचार, पर्यटन आदि युवा उघमियों को अभिनव विचारों के साथ आगे बढने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

2. इस अभियान द्वारा व्यापार क्षेत्रों के बढावे के साथ – साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद को भी बढाऐगा। नई– नई फैक्ट्रियो की स्थापना होगी लोगों को रोजगार मिलेगा।

3. भारत एक विकासशील देश हैं। जिसमें स्पष्ट स्प से विभिन्न मशीनीकरण की कमी हैं जो देश के विकास के रास्ते में एक बड़ी बाधा हैं। **मैक इन इण्डिया** अभियान द्वारा भारत में

नई–नई नकनीकी का निर्माण किया जाऐगा। जिससे भारतीयों का इसका उपयोग करने का मौका मिलेगा।

मैक इन इण्डिया एक चुनौती एंव अभ्यासः–

जैसा की उपरोक्त परिभाषित शब्द अंग्रेजी भाषा में प्रतीत होता हैं। तथा जिसका मुख्य अर्थ किसी भी व्यवसाय को चुनकर अपने स्वराष्ट्र में भूली बिसरी स्मृति को नया रूप देने के लिए विदेशी पूंजी पति तथा व्यवसायों को प्रलोचन देकर वस्तुओ एंव यांत्रिक प्रशासन के द्धारा उपलब्ध कराकर **मैक इन इण्डिया** को सही स्वरूप प्रदान करने उपरांत देश की आबादी को स्मृधि को अपना कर आम विकास कार्य सम्पन्न करके अग्रसर हो सकते हैं। इस संबंध में यह भी लिखा जा सकता हैं कि नए–नए आविष्कार वस्तुए का उत्पादन से राष्ट्र की अवाहरण के तौर पर चाइना इंडोनेशिया, जापान, कैलिफोर्निया आदि देशो में अपने देश में विभिन्न प्रकार की वस्तुए तथा अन्य उत्कृष्ट करके अथासंमाप्ति की हैं।

निष्कर्षः– भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र देश हैं और विश्व में जनसंख्या के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। भारत में असाक्षरता बेरोजगारी महिलाओ की गिनती में गिरावट, भ्रष्टाचार, गरीबी और स्वास्थ्य सेवाओ की कमी आज के दिन भी मौजूद हैं। **मैक इन इण्डिया** का अभियान इन सब मुश्किलों को भारत से देर करने की एक बहुत ही अच्छी पहल हैं। आम जन के मनोभावना में परिवर्तन लाना होगा और उन्हें स्वावलंबी बनाने हेतू प्रेरित करना होगा। सरकार द्धारा रोजगारोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था पर जोर देना, घरेलू उघोग धन्धों को पुनजीवित करना, नए उघमियों को वित्तीय सहायता देना आदि कुछ ऐसे उपाया हैं। जिससे बेरोजगारी कम हो सकती हैं। सरकार को उघोग स्वरोजगार, वर्कशोप के माध्यम से हमारी प्राचीन सभयता के अनुसार कुछ उत्पादन सर्जित करना तथा आप जन मानस को घरेलू काम धधे तथा अन्य वस्तुओं का बनाना, निर्माण करना, राष्ट्र को आर्थिक संकट तथा, बेरोजगारी पर लगाम लगाना संभव हो सकेगा।

संदर्भः–

https:/him.wikipedia.org

https://www.gyanipandit.com

https://www.hindikiduniya.com

https://www.becomeindia.com

https://m.jagranjosh.com

https://shiveshpratap.com

https://pradhanmantriyogana.in

https://www.makeinindia.com/name